अचल सम्पत्ति विवरण वर्ष 2016

(11) प्रपत्र-1

प्रथम नियुक्ति के समय अचल संपत्ति का विवरण पत्र

1. अधिकारी / ~~कर्मचारी~~ का पूरा नाम श्री. जयंत लिमये 2. वर्तमान धारित पद कार्यपालन यंत्री 3. कार्यालय का नाम अ.उ.या. (निर्धारण) इंदौर

4. वर्तमान वेतन 46750+GP+DA 5. भविष्य निधि क्रमांक 22645808 6. कर्मचारी संख्या 85425428

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा ब्यौरे: गृह तथा अन्य भवन	संपत्ति का नाम तथा ब्यौरे: भूमि	वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका मंडल अधिकारी/ कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया खरीद, पट्टा, बंधक, विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जितकी गई हो उसका नाम तथा ब्यौरा	संपत्ति से वार्षिक आय	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
इंदौर	फ्लैट नं. 102, सुन्दरम अपार्टमेंट 134 [illegible] नगर इंदौर	—	16 लाख	स्वयं	HDFC से लोन लिया गया 1996 में	नहीं	—
उज्जैन	भवन V-7 [illegible] कालोनी उज्जैन	—	28 लाख	स्वयं	UCO Bank से LOAN	नहीं,	विक्रय हेतु अनुबंध किया गया NOV 2016
इंदौर	132/H विज्ञान नगर इंदौर	भूमि पर 1000 sq. feet [illegible]	32.40 लाख	स्वयं	[illegible] एवं भवन निर्माण हेतु HDFC से लोन लिया गया	नहीं	स्वयं के उपयोग हेतु निर्माण

हस्ताक्षर [signature]

नाम जयन्त लिमये

पद कार्यपालन यंत्री

* जहां लागू न हो काट दीजिए

** ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के संदर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए

*** इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं

टिप्पणी—मंडल द्वारा ग्राह्य म.प्र. शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1965 के नियम 19(1) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक 12 महीने की अवधि के पश्चात् यह घोषणा पत्र भरकर प्रस्तुत करें और उसमें वह उसके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा अर्जित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर अथवा किसी अन्य व्यक्ति के नाम से पट्टे या बंधक पर धारित स्थावर (अचल) संपत्ति का विवरण देवें।

इस कार्यालय उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

संलग्न — उपरोक्तानुसार